

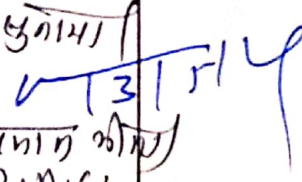
13.5.19

पद्मावली पेश / चलील पक्षकार उपस्थित व
बहल सुनी गई / पद्मावली का आधोपान्त
गहन अवलोकन एवं मनन किया गया / प्राणी
द्वारा प्रार्थना पत्र में वर्णित तथ्य, वांछित
अनुलोषादि, जवाब अष्टाथीगण, लमा प्राणी
द्वारा प्रार्थना पत्र में वांछित अनुलोष के
समर्पण में प्रस्तुत दस्तावेज एवं बहल

13/5/19

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तारीख में जारी हुए
	<p> विद्वान अधिवक्त्रा उभयपक्ष पर सम्बन्ध विधिसंगत विचार किया गया। प्राची द्वारा ग्राम मानपुरा के साविक खसरा नम्बर 3 व 4 की स्थिति पर हाथ डी आका नक्शा हाल में डकली की रिकॉर्ड चाही है। प्राची के पिता के खाल में खसरा नम्बर 8 सि. (नवा 92) दर्ज थी बाद बन्दोबस्त उक्त अमि के हाल नम्बर 96, 97, 98, एवं 99 बनाये गये हैं। प्राची के खाल में हाथ खसरा नम्बर 98 सहायतेदारी में दर्ज रिकॉर्ड है। प्राची की उक्त खालेदारी की अमि में प्राची द्वारा नदी के दोर तक नक्शा में दर्ज है। विवेदन किया है। प्राची द्वारा साविक राजस्व नकसों की प्रमाणित प्रति पेश नहीं की है, इसके विपरीत पेशे का ल कार द्वारा गलत खसरा नम्बर पत्र किसी प्रकार की तालीम नहीं होने तथा नवीन ख. नं. 18 की अमि वन विभाग के नाम होने पर हाथ पर खारिज करने का अनु- रोध जारी अवाव पेश किया है साथ ही साथ वन विभाग के अवाव में भी हाथ पर आवीकार करने का निवेदन किया है। अर्थात् अकारण वरिष्ठ अमि पर यदि नकरी की डकली की जाती </p>	

13/5/14

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए
	<p> हैं, जो उन शर्तों के हितबद्ध परसकार सहमत नहीं हैं। L.R. Act. 1956 की धारा 136 के सुसंगत प्रावधानों के अनुसार हितबद्ध परसकारों का सहमत होना भी प्रकार के परस का एक अंग है। प्राचीन द्वारा अपने कर्मों के समर्थन में ऐसे कोई प्रमाण प्रेश नहीं किमें जिससे यह प्रमाणित होता है कि प्राचीन के हितों के विपरीत राज्य अभिलेख में तैराने बंदोबस्त या बाद बन्दोबस्त ऐसी शुरुत जारीत हुई है, जिस धारा 136. L.R. Act के तहत उक्त किया जा सकें। प्राचीन द्वारा नकसे का नदी के शीट तक शर्तों का अनुलोष चारा है, और यदि प्राचीन को इस प्रकार का अनुलोष दिया जाता है, तो प्राचीन को देस अनुलोष उपलान्त समीपव्य अन्य आतजिमत का नकसा परिवर्तन होना तय है। जिसकी कोई लम्बीत की गती थी। प्रकार के शुजायामुद पर विन्नात किया प्राचीन का शर्तना का धारा 136. L.R. Act 1956 के तहत देस अनुलोष की शुजायामुद गती का लम्बी प्राचीन का जो फर जोषनीय गती लेने से खारी किया जाता है प्राचीन चारे की जोषना एवं उक्तकी का बाद देस का अनुलोष प्राप्त जान लेदर खतम है। निर्णय आत दिनांक 13.5.2019 को मेरे द्वारा लिखाया जाकत से इगनास शुजायामुद निम्ननाम की R.A.S. </p>	<p>  </p>